RNTU TIMES

Rank Band 151-200 in University Category in nirf 2024

VOLUME: 3 www.rntu.ac.in | September-October, 2024

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खेल प्रतिभाओं को मिला आरएनटीयू स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड 2024

31 अगस्त: आरएनटीयू द्वारा मप्र के प्रतिभावान खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

हॉकी मेंस टीम से **विवेक सागर** को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने के लिए आरएनटीयू स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड और पांच लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। यह सम्मान उनके अभिभावकों द्वारा ग्रहण किया गया।

हमे खेल को एक्सट्रा करिकुलर एक्टिविटी की बजाय मुख्य सब्जेक्ट की तरह ही महत्व देने की आवश्यकता है तभी हम अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भारत के प्रदर्शन को बेहतर कर पाएंगे। खिलाड़ियों को भी खेलों को किसी डिग्री प्रोग्राम की तरह सीरियस होकर उसमें मेहनत करनी चाहिए और उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए। यह उदगार म.प्र. खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालक श्री रवि कुमार गुप्ता के थे। वे रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रदेश की प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए

कुशाभाऊ ठाकरे कंवेंशन सेंटर में आयोजित किए गए आरएनटीयू स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड 2024 सेरेमनी में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे।

इस अवसर पर आरएनटीयू के खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया, जिन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र एवं प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इसमें हॉकी मेंस टीम, हॉकी वीमंस टीम, सेलिंग, जूडो, शूटिंग, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, ताइक्वांडो, रेसलिंग, रोइंग, कराटे, कयाकिंग-केनोइंग, फेंसिंग एवं बैडमिंटन के कुल 95 खिलाड़ियों को 24 लाख 90 हजार रूपए की राशि से सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, पूर्व ओलंपियन श्री अशोक ध्यानचंद, भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय निदेशक श्री अभिषेक चौहान, बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जोशी, आरएनटीयू की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, आरएनटीयू के रजिस्ट्रार डॉ. विजय सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (SGSU) के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने स्वागत वक्तव्य देते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के हित एवं खेलों के प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने कहा कि हम खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स आयोजित करने के उद्देश्य के साथ विश्वविद्यालय में इंफ्रा को तैयार कर रहे हैं।

वहीं, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (RNTU) के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला एवं कहा कि विश्वविद्यालय में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भविष्य में भी कई नई पहल की जाएंगी। उन्होंने अपने वक्तव्य में ओलंपियन और हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर की प्रशंसा की और उन्हें भारतीय हॉकी टीम के उपकप्तान बनाए जाने पर बधाई दी।

आरएनटीयू में खेलों के लिए बनेगा 1 करोड़ रुपए का कॉर्पस

– संतोष चौबे

पूर्व ओलंपियन श्री अशोक ध्यानचंद ने कहा कि उद्योग जगत को सीएसआर एक्टिविटी, स्पॉन्सरशिप एवं अन्य सहयोग के जरिए खेलों को प्रोत्साहित करना चाहिए।

भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय निदेशक श्री अभिषेक चौहान ने सभी खिलाड़ियों को बधाई और आईसेक्ट समूह द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

आरएनटीयू के रजिस्ट्रार डॉ. विजय सिंह द्वारा आभार वक्तव्य दिया गया एवं खिलाड़ियों को भविष्य में भी ऐसे ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहने के लिए शुभकामनाएं दी।

रायसेन के जिला खेल अधिकारी जलज चतुर्वेदी ने अपने उद्बोदन मे कहा कि रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा के साथ ही है खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करती है। विश्वविद्यालय के इन्हीं प्रयासों से मध्यप्रदेश से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ी तैयार हो रहे है।

कार्यक्रम में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में अध्ययनरत खिलाड़ियों को आरएनटीयू स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड प्रदान किया गया। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में आरएनटीयू का परचम लहराने के लिए अली, सद्दाम, अरहाम, श्रेयस, अंकित, सुंदरम, वैभव,

अभय, स्वप्निल, शैलेंद्र, आमिद, हिमांशु, दीपक, आदेश, सत्यम, अवनीश, अक्षय, अभीजीत एवं लव को सम्मानित किया गया। सेलिंग में नेहा ठाकुर, शीतल, नैंसी, विद्यांशी को पुरस्कार राशि के साथ सम्मानित किया गया। हॉकी वीमंस टीम को खेलो इंडिया यूथ गेम्स में सिल्वर जीतने एवं खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 में पार्टिसिपेशन के लिए सम्मानित किया गया। जूडो में हिमांशी, श्रुति, श्रद्धा, मोनिका, जाग्रति, पवित्रा को सम्मानित किया गया।

शूटिंग में हर्षित, मानसी, अमित, याकूब, नुपुर, ज्योतिरादित्य को सम्मानित किया गया। एथलेटिक्स में एकता डे, सोनम परमार, मनीषा, अमन, गौरव को सम्मानित किया गया। बॉक्सिंग में जिज्ञासा, हिमांशु, आयुष, मुस्कान, मेनका, मलिका, विन्ती, दिव्या को सम्मानित किया गया। ताइक्वांडो मे मधु और शिवानी सम्मानित हुई।

रेसलिंग में प्रियांशी, हरिओम, छाया का सम्मान हुआ। रोइंग मे ज्योति, मनीषा, अमन, अरविंद, राघव, प्रयास को सम्मानित किया गया। कराटे (वूमंस) में प्रेमा, वैशाली, भावना को सम्मानित किया गया। कयाकिंग-केनोइंग मेंस में विशाल केवट का सम्मान हुआ। फेंसिंग मेंस में मोहित, शंकर, सौरभ, भव्य, अंजू को सम्मानित किया गया। बैडमिंटन मेंस में हिमांशू, प्रखर, विनय, अक्षय, यशपाल, शिशिर, कृष्णा को सम्मानित किया गया।

RNTU shines at AGU ASPIRE '24 winning multiple categories

20th Sep.: RNTU emerged victorious at the recent AISECT Group of Universities Awards function, the AGU Aspire Awards, securing the maximum awards across 47 categories. This impressive feat highlights RNTU's commitment to excellence in academics, research, innovation, and student welfare.

Key RNTU Achievements:

International Outreach: Dr. Ritu Kumaran recognized for her outstanding contributions.

Sports Icon: Mr. Satish Ahirwar (Sports Officer), Mr. Vijay Pratap Singh (PRO) and Dr. Vikas Saxena (HOD, Physical Education) honored for their exceptional support in sports achievements.

AGU Department Brilliance: Awards bestowed upon departments of Management, Law, Humanities and Liberal Arts, Education, Agriculture, and Medical Science.

Best Alumni Engagement: Mr. Abhishek Shroti (TPO) and his team recognized for their impactful work.

Innovative HR Practice: Ms. Rashmi Khanna, Mr. Pankaj Gupta acknowledged for her innovative HR initiatives.

NCC Contribution: Sub. Lt. Manoj Singh Manral honored for his dedication to the NCC unit.

NSS Contribution: Dr. Rekha Gupta and Mr. Gabbar Singh recognized for their outstanding service.

AGU Best Studio: Mr. Rohit Shrivastava and his team awarded for their exceptional studio work.

University Recommended Awards:

Centre of Excellence Award: AIC (Mr. Roland Fernandez) & Dr. Jawahar Karnawat, Dr. Sanjay Singh Rathore (Pravasi Bhartiya Sahitya Evam Sankriti Shodh Kendra)

Department Excellence Award: (Law Department) Dr. Neelesh Sharma & Dr. Naish Zameer

Best Educator - Agriculture: Dr. Shubham Kulshreshth

Outstanding Contribution to Research (Book): Dr. Prateek Nigam (Electrical Department)

Research Paper: (Faculty of Science) Dr. Purvee Bharadwaj

Patents: (Advance Material Centre) Dr. Sudeshna Ray

Grants: Dr. Sudeshna Ray

Research into Use: ARC Team Dr. Digvijay Dubey, Dr. Shubham Kulshreshth, Mr. Rakesh Ahirwar, Dr. Vikas Singh, Bahadur

Faculty Upskilling Award: Dr. Anil Kumar Rao

Emerging Educator Award: Dr. Rishikesh Mandloi (Science), Mr. Rishabh Verma (Management), Ms. Srikuti (Forensic Science)

Guiding Star Award in Admission Counselling: Ms. Sanskriti Thakur

Tele Performance Award: Mr. Shubham Rajput

Lab Technician: Mr. Vikas Chouhan (Mechanical Department)

Administrative Leadership Award: Mr. Ritvik Choubey DR (Admin)

This impressive list of awards underscores RNTU's dedication to fostering a vibrant and dynamic academic environment that encourages innovation, research, and student growth.

The event featured cultural performances by faculty members from RNTU, SGSU, CVRU Khandwa, CVRU Vaishali, CVRU Bilaspur, and AISECT University Hazaribagh. The gathering culminated with a musical performance by the Roots Band.

सिंगापुर में विश्व हिंदी शिखर सम्मान–2024 से सम्मानित हुए श्री संतोष चौबे

15th Sep.: अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन भारतीय उच्चायोग सिंगापुर, सेंटर फॉर लैंग्वेज स्टडीज और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया। इस अवसर पर श्री संतोष चौबे, कुलाधिपति, रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, निदेशक, विश्व रंग को वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति, व कलाओं के प्रचार–प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **'विश्व हिंदी शिखर सम्मान 2024'** से सम्मानित किया गया।

श्री संतोष चौबे को यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान सिंगापुर में भारतीय उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अम्बुले, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव श्री रवि जायसवाल, विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस की महासचिव डॉ. माधुरी रामधारी, केंद्रीय हिंदी संस्थान के उपाध्यक्ष श्री सुरेंद्र दुबे और संगम सिंगापुर की अध्यक्ष डॉ. संध्या सिंह ने प्रदान किया। इस अवसर पर श्री संतोष चौबे ने अतिथियों को 'विश्व में हिंदी 'पुस्तक और मॉरिशस में संपन्न विश्व रंग के प्रकाशन भी भेंट किये। उल्लेखनीय है कि 'दक्षिण पूर्व एशिया में हिन्दी - विकास की अभिनव दिशाएँ' विषय पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रीय सम्मेलन में 'हिंदी शिक्षण की आधुनिक पद्धतियाँ', 'हिंदी व्याकरण का भाषा शिक्षण में अनुप्रयोग और शिक्षण सामग्री', 'शिक्षक प्रशिक्षण और नवीनीकरण', 'पड़ोसी देशों में हिंदी शिक्षण की स्थिति और संभावनाएँ', 'हिंदी सीखने में छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियाँ और समस्याएँ', 'कृत्रिम मेधा - संभावनाएँ और चुनौतियाँ', 'हिंदी शिक्षण में AI का उपयोग', 'वेब-आधारित संसाधन', 'प्रवासी साहित्य - भविष्य की दिशाएँ', 'एशियाई हिंदी संस्थानों के बीच सहयोग', 'अंतरभाषी अनुवाद', 'विरासत की भाषा, विदेशी भाषा, द्वितीय भाषा अधिग्रहण' आदि महत्वपूर्ण विषयों पर रचनात्मक विचार–विमर्श हुए।

कुलाधिपति श्री संतोष चौबे को 'राष्ट्रीय शताब्दी सम्मान–2024' से किया गया सम्मानित

हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति के वैश्विक विस्तार में विशेष योगदान पर मिला सम्मान...

22nd Sep.: श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय 'शताब्दी सम्मान–2024' श्री संतोष चौबे, वरिष्ठ कवि–कथाकार, निदेशक, विश्व रंग एवं कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल को प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति द्वारा इंदौर में आयोजित भव्य एवं गरिमापूर्ण समारोह में एक लाख रुपये सम्मान निधि, मानपत्र, शॉल और श्रीफल प्रदान कर श्री संतोष चौबे जी को प्रतिष्ठित **'राष्ट्रीय शताब्दी सम्मान–2024'** से अलंकृत किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री संतोष चौबे को यह सम्मान मुख्य अतिथि श्री माधव कौशिक, अध्यक्ष, साहित्य अकादमी, दिल्ली, इंदौर के लोकसभा सांसद श्री शंकर ललवानी, श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति, इंदौर के सभापति, वरिष्ठ साहित्यकार श्री सत्यनारायण सत्तन, समिति के प्रधानमंत्री श्री अरविंद जवलेकर ने प्रदान किया। इस अवसर पर प्रख्यात साहित्यकार साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष, पदमश्री डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (गोरखपुर) को भी 'शताब्दी सम्मान–2024' से सम्मानित किया गया।

डॉ. जवाहर कर्नावट, निदेशक, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र, श्री विनय उपाध्याय, निदेशक, टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र, सुश्री ज्योति रघुवंशी, राष्ट्रीय संयोजक, वनमाली सृजन पीठ ने भी शॉल और माल्यार्पण कर श्री संतोष चौबे जी का हार्दिक अभिनंदन किया। इस अवसर पर डॉ. पद्मा सिंह, श्री हरेराम वाजपेयी, डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह, श्री सदाशिव कौतुक, श्री कृष्ण कुमार अष्ठाना, श्री घनश्याम यादव सहित बड़ी संख्या में साहित्यकारों और साहित्यप्रेमियों ने अपनी रचनात्मक उपस्थित दर्ज कराई।

उल्लेखनीय है कि कवि-कथाकार, उपन्यासकार, संपादक और अनुवादक श्री संतोष चौबे अपने अभिनव रचनात्मक प्रकल्पों और नवाचारों के लिए वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। उन्होंने हिन्दी भाषा और भारतीय संस्कृति के प्रसार के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय 'विश्वरंग' महोत्सव की वर्ष 2019 में भोपाल से शुरुआत की जिसके आज 50 से अधिक सदस्य देश हैं। हाल ही में विश्व रंग का 'मॉरीशस' में भव्य आयोजन कर उन्होंने हिंदी के वैश्विक विस्तार की ज़मीन तैयार की है।

हाल ही में उन्हें सिंगापुर में 'विश्व हिंदी शिखर सम्मान– 2024' और फ्रांस में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय 'भारत गौरव सम्मान–2024' से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व लंदन में "वातायन यू.के. अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मान 2023" और अमेरिका के प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा 'लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड–2023 से सम्मानित किया गया। श्री संतोष चौबे को कविता (कहीं और सच होंगे सपने) के लिए मध्यप्रदेश साहित्य परिषद् का दुष्यंत कुमार पुरस्कार, आलोचना (कला की संगत) के लिए स्पंदन आलोचना सम्मान, अनुवाद (मास्को डायरी) के लिए मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का पुरस्कार एवं उपन्यास (जलतरंग) के लिए शैलेश मटियानी तथा अन्तरराष्ट्रीय वैली ऑफ वर्ड्स पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। समग्र साहित्यिक अवदान के लिए उन्हें राष्ट्रीय दुष्यंत एवं शिवमंगल सिंह सुमन अलंकरण आदि प्राप्त हुए हैं।

प्रतिष्ठित 'शताब्दी सम्मान–2024' के लिए श्री संतोष चौबे जी को 'विश्व रंग' टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव, विश्व रंग सचिवालय, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केन्द्र, प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केन्द्र, टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय, बिलासपुर, खंडवा, वैशाली, आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग, आईसेक्ट पब्लिकेशन, वनमाली सृजन पीठ, समस्त वनमाली सृजन केंद्रों तथा साहित्य, कला संस्कृति की सहयोगी संस्थाओं ने हार्दिक बधाई दी है।

Civil Engineering Students Gain Hands-on Experience at Kolar Dam and Water Treatment Plant

11th Oct.: A group of 44 final and pre-final year civil engineering students from Rabindranath Tagore University Bhopal recently embarked on an educational field visit to the Kolar Dam and the Kolar Water Treatment Plant. The visit, organized by the Department of Civil Engineering, aimed to provide students with practical exposure to the concepts learned in the classroom.

At the Kolar Dam, under the guidance of Mr. Sunny Amreliya, Junior Engineer at the Madhya Pradesh Water Resources Department, students observed various technical aspects such as infiltration galleries, dam embankments, and gates.

Subsequently, the students visited the Kolar Water Treatment Plant, where Mr. Mahendra Nath Yogi, Junior Engineer at the Bhopal Municipal Corporation, explained the functioning of different water treatment units, including the lime and alum mixing basin, clarifier, filters, chlorination unit, and pump house.

Dr. Sanjeev Kumar Gupta, Dean Academic Affairs, emphasized that such educational visit play a crucial role in reinforcing the theoretical knowledge of civil engineering students and bridging the gap between classroom learning and real-world applications. "These field trips provide students with valuable hands-on experience and help them develop a deeper understanding of civil engineering concepts," he said.

Dr. Vijay Singh, University Registrar, added that the field visit has been highly beneficial for the students. "It has provided them with practical insights into hydraulic structures and water treatment processes.

Rabindranath Tagore University Celebrates WORLD PHARMACISTS DAY with Community Outreach

25th Sep.: The Institute of Pharmacy at Rabindranath Tagore University, a part of the AISECT Group of Universities, organized a special awareness program on World Pharmacists Day to highlight the crucial role of pharmacists in global healthcare. The theme of the event was **"Pharmacists: Meeting Global Health Needs."**

Dr. C.P. Mishra, Dean of the AISECT Group of Universities, and Dr. Durga Pandey, Principal of the Institute of Pharmacy, were the chief guests at the event. To promote health awareness and emphasize the importance of pharmacists, a street play was performed in Goklakundi village to educate villagers about the significance of hygiene and sanitation.

The university, in collaboration with the NSS team, organized a cleanliness drive and rally in the village. Participants actively cleaned the village, demonstrating their commitment to community service. Dr. Rekha Gupta and Gabbar Singh, program officers, played a pivotal role in the successful execution of the event.

Addressing the villagers, Dr. C.P. Mishra highlighted the central role of pharmacists in addressing various health challenges, including ensuring access to medicines, especially for underserved communities. He appreciated the contribution of pharmacists in addressing community health challenges and emphasized the importance of pharmacists in enhancing community health initiatives.

By organizing this event, Rabindranath Tagore University aims to inspire future pharmacists to contribute to improving public health and well-being.

विश्व रंग के अंतर्गत हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 'हिंदी पखवाड़ा' का शुभारंभ

15th Sep.: विश्व रंग के अंतर्गत हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र, प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केंद्र तथा मानविकी एवं उदार कला संकाय, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा 'हिंदी पखवाड़े' का भव्य शुभारंभ किया गया। कथा सभागार, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ **'विश्व में हिंदी : हिंदी का विश्व'** विषय पर आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद' के साथ किया गया।

इस अवसर पर श्री धर्मपाल महेन्द्र जैन, वरिष्ठ साहित्यकार (कनाडा) ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर बहुत तेजी से हिंदी ने कदम बढ़ाए हैं। हिंदी के वैश्विक फलक को ध्यान में रखते हुए टोरंटो (कनाडा) में हमने हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए एक संस्था बनाई है।

समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रति कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि आईसेक्ट समूह का मूल आधार हिंदी ही है। आईसेक्ट समूह के अध्यक्ष और विश्व रंग के स्वप्नदृष्टा श्री संतोष चौबे जी द्वारा चालीस वर्ष पूर्व हिंदी में रचित पुस्तक 'कम्प्यूटर एक परिचय' से इसका आरंभ हुआ था। आज वैश्विक स्तर पर हिंदी की ज़मीन तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य विश्व रंग के माध्यम से हो रहा है।

कार्यक्रम का संचालन टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्नावट द्वारा किया गया। श्री विनय उपाध्याय, निदेशक, टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अनुराग शर्मा, संपादक 'सेतु' (अमेरिका), हंसा दीप, वरिष्ठ लेखिका (कनाडा), अतिला कोतलावल, अध्यक्ष, हिंदी संस्थान (श्रीलंका), डॉ. दीपक पाण्डेय, सहायक निदेशक, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, डॉ. नूतन पाण्डेय, सहायक निदेशक, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने भी विदेशों में हिन्दी को लेकर अपने विचार साझा किये।

NCC Cadet Rishiraj Rajoriya Shines at Special Yachting Regatta Camp

1st Oct.: RNTU NCC Naval wing Cadet Rishiraj Rajoriya, a 2nd year BSC. Agriculture student, recently participated in the Special Yatching Regatta Camp held at the Naval Sailing Node, Bhopal. Cadet Rishiraj Rajoriya excelled at the camp and was selected to represent the region at the All India Yachting Regatta in Orissa in 2025. For his selection in the camp, Cadet Rishiraj Rajoriya expressed gratitude to Sub Lt. Manoj Singh Manral (NCC Officer) for his guidance and support.

RNTU NCC Cadets Participate in NATIONAL INTEGRATION CAMP

26th Oct.: Under the able guidance of Sub Lt. Manoj Singh Manral (NCC Officer) Cadet Captain Harsh Rai and Cadet Aditya Lowanshi from Rabindranath Tagore University, Bhopal, recently participated in the Ek Bharat Shreshth Bharat (EBSB) Camp held in Chhatarpur. It was an annual NCC event, aims to foster national integration among cadets from diverse backgrounds. During the camp, cadets engaged in cultural exchanges, adventure sports, and social service initiatives. "[The EBSB camp] was an enriching experience," said [Cadet Captain Harsh Rai/Cadet Aditya Lowanshi], "I had the opportunity to interact with cadets from different states, learn about their cultures, and make lifelong friends."

Successful Conclusion of the 1st National Moot Court Competition @ RNTU

21st Sep.: The Rabindranath Tagore University (RNTU) recently hosted its inaugural National Moot Court Competition from September 19th to 21st, 2024. The three-day event witnessed a vibrant exchange of legal ideas, culminating in the crowning of the national champions. The competition commenced with a formal inauguration, featuring esteemed guests including Shri Santosh Choubey, Hon'ble Chancellor. Over the following days, participants engaged in rigorous preliminary rounds, quarter-finals, and semi-finals, showcasing their legal acumen and advocacy skills.

The final round saw a fierce competition between the top two teams, with the judges ultimately

declaring the winners. The event concluded with a grand valedictory ceremony, featuring motivational speeches from distinguished legal professionals and the presentation of awards to the winning team and other participants.The RNTU National Moot Court Competition proved to be a valuable platform for aspiring legal professionals, fostering critical thinking, research, and advocacy skills.

"Yuvaaz Workshop on 'THE ART OF THE PODCAST' Empowers Aspiring Podcasters with Insights from Industry Experts"

19th Sep.: The Yuvaaz Workshop titled "The Art of the Podcast" recently brought together a diverse group of aspiring podcasters and media enthusiasts at AIC, RNTU. The event, held on 19th September, featured insightful sessions from renowned industry experts.

Industry Giants Share Expertise

The workshop boasted an impressive lineup of speakers, including RJ Arsh from Super Hits 93.5, popularly known as *"Awaz ke Jadugar,"* and Vikas Awasthi, a celebrated storyteller and content creator, also known as *'Guru Bhai'*. Dr. Shailendra Singh, in his opening remarks, highlighted Yuvaaz's significant contributions, emphasizing the platform's mission to bring online radio to the community. He proudly announced that over 2,000 audio segments and various student-focused talk shows have been successfully recorded and published.

Key Takeaways for Aspiring Podcasters

RJ Arsh, the highlight of the event, engaged participants with interactive activities, emphasizing the importance of casual conversation in radio settings and encouraging the use of local languages. He stressed the significance of three core elements for podcast success: compelling content, a well-defined target audience, and high-quality value proposition.

Vikas Awasthi, underscored the power of podcasts as a rapid and effective medium for information dissemination. He stressed the paramount importance of content, famously stating, *"Namaskar Chamatkar, kyunki duniya chamatkar ko hi karta hai namaskar."* He also emphasized the importance of adapting to audience preferences and tailoring speech to different contexts.

Recognizing Yuvaaz's Contributions

The workshop concluded with the esteemed presence of and Founder of Yuvaaz Pro Chancellor Dr. Aditi Chaturvedi and Pro Vice Chancellor Dr. Sangeeta Jauhari. They acknowledged the invaluable contributions of the Yuvaaz team. with badges of recognition.

A Stepping Stone for Future Endeavors

The "Art of the Podcast" workshop served as a valuable platform for aspiring podcasters, emphasizing the importance of continuous learning and self-discovery in this dynamic field. The event undoubtedly inspired participants to embark on their own unique podcasting journeys.

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय नवप्रवेशितों के लिए दीक्षारंभ समारोह संपन्न

6th Sep.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में इस वर्ष नव प्रवेशित अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों का दीक्षारंभ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लाइफ कोच डॉ. राजीव अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलसचिव डॉ विजय सिंह, उपकुलपति डॉ संगीता जौहरी, डीन एकेडेमिक्स डॉ संजीव गुप्ता, डीन इंटरनेशनल सेल डॉ रितु कुमारन उपस्थित थीं। इस वर्ष विश्वविद्यालय में ज़िम्बाब्वे, नाइजीरिया, घाना, गैम्बिया, सूडान, लिबेरिया, यूगांडा, टोगो, कोरिया और कैमरून जैसे विभिन्न देशों से विद्यार्थी विश्वविद्यालय में अध्ययन हेतु प्रवेश हुए हैं।

इस मौके पर डॉ राजीव अग्रवाल ने विद्यार्थियों को बताया कि छात्र जीवन उस पेंसिल की तरह है जिससे एक अच्छी कहानी लिखने के लिए कई बार शार्पनर की धार से शेप दिया जाता है। कॉलेज की लाइफ भी कुछ ऐसी ही होती है जहां आपके भविष्य को संवारने के लिए आपको रोजाना शेप में ढाला जाएगा। आप मेहनत और ईमानदारी का रास्ता चुनिए आपका भविष्य सुनहरा ही होगा। उन्होंने बताया कि छात्रों को अपने जीवन मे निरंतर मेहनत करते रहना चाहिए। डॉ अदिति चतुर्वेदी ने विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही गतिविधियों से छात्रों को अवगत कराया। उन्होंने विश्वविद्यालय की पैरेंट संस्था आइसेक्ट का परिचय देते हुए विश्वविद्यालय के अटल इन्क्यूबेशन सेन्टर द्वारा किये गए स्टार्टअप की जानकारी साझा की। डॉ विजय सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों का अध्ययन करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि हम सभी को अनुशासन में ही रह कर निरंतर सीखने का प्रयास करते रहना चाहिए। विश्वविद्यालय में सभी छात्र एवं छात्राएं समान हैं। आप अपने सीनियर्स का सम्मान कीजिए।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में डीन एकेडेमिक्स डॉ संजीव गुप्ता ने अकादमिक कैलेंडर से छात्रों को अवगत कराया। उपकुलसचिव एकेडेमिक्स डॉ. पूजा चतुर्वेदी ने नई एजुकेशन पालिसी 2020, स्वयम, एन.पी.टी.एल एवं आइसेक्ट लर्न के बारे में जानकारी दी। एग्जाम कंट्रोलर डॉ. अनिल तिवारी ने विश्वविद्यालय वेबसाइट एवं एग्जाम प्रक्रिया से छात्रों को अवगत करवाया। लाइब्रेरी हेड डॉ राकेश खरे द्वारा विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय के छात्र पॉलिन (ज़िम्बाब्वे) एवं वालिद (नाइजीरिया) द्वारा नवीन छात्र-छात्राओं का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत मे कल्चरल क्लब की कन्वेनर इरा सक्सेना ने स्टूडेंट्स एक्टिविटी कॉउन्सिल के सभी क्लब्स और उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पाडकास्ट 'युवाज़' के प्रोग्रामिंग हेड अनुराग झा ने भी युवराज के क्रियाकलापों पर विस्तृत जानकारी साझा की।

अटल इनक्यूबेशन सेंटर से सुश्री कृति ने ई-सेल एवं आईआईसी सेल की जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन छात्र मुस्तफा एवं प्रगति ने किया। कार्यक्रम में डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. अंकित पंडित, डॉ. प्रतीक निगम एवं क्लचरल कॉर्डिनेटर डॉ. जितेंद्र अहीर विशेष रूप से उपस्थित थे।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय कृषि विभाग द्वारा विश्व खाद्य दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई

19th Oct.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविध्यालय में विश्व खाद्य दिवस पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विश्वविध्यालय के उद्यानिकी विभाग, कृषि शोध संस्थान एवं कृषि संकाय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुई। जिसमे "खाद्य सुरक्षा: चुनौतियां और समाधान" विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता डॉ. पूजा सिंह, उप निदेशक, कृषि विभाग, मध्य प्रदेश शासन, इंजी. डी. एल. रायकवार, पूर्व डीजीएम, बीइएमएल, डॉ. संजीव गुप्ता, डीन एकेडमिक, डॉ. एच. डी. वर्मा, डीन, कृषि संकाय और डॉ. अशोक कुमार वर्मा, सहायक डीन विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस मौके पर डॉ. पूजा सिंह उप निदेशक, कृषि विभाग, मध्य प्रदेश शासन ने "मध्य प्रदेश: भारत की खाद्य टोकरी" के विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि प्रसंस्करण उद्योग कृषि उत्पादों को बेहतर तरीके से संरक्षित करने और उनकी गुणवत्ता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके उपरांत इंजी. डी. एल. रायकवार ने "मशरूम का उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन" पर एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में हो रही प्रगति और इसकी संभावनाओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि यह एक ऐसा उद्योग है, जो कम पूंजी और सीमित संसाधनों के साथ शुरू किया जा सकता है। डॉ. एच. डी. वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष हजारों करोड़ों का खाद्यान एवं उद्यानिकी उत्पाद खराब होते हैं, जिसको संरक्षित करने की अवश्यकता है। इसके बाद डॉ. संजीव कुमार गुप्ता, डीन एकेडमिक ने मध्य प्रदेश में कृषि की वर्तमान स्थिति एव कृषि संकाय के सफलता के आयामों पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों के बीच कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से संबंधित एक क्विज़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान फ़ूड प्रोसेसिंग एवं हाईटेक कस्टम हायरिंग सेंटर की तकनीक के बारे में अवगत कराया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रैली, फ़्लैश मॉब व नुक्कड़ नाटक का आयोजन

9th Oct.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने हाल ही में अन्ना नगर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें रैली, नुक्कड़ नाटक और फ्लैश मॉब शामिल थे। यह कार्यक्रम भारत सरकार और उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अशोक पटेल और विशिष्ट अतिथि श्री एच आर गायधनी, संयुक्त महाप्रबंधक, हडको (भारत सरकार) उपस्थित रहे। श्री पटेल ने अपने संबोधन में कहा, " स्वच्छता ही सेवा एक ऐसा जन आंदोलन है जिसमें हर एक भारतीय को शामिल होकर भारत देश को साफ और सुंदर बनाना चाहिए। इस तरह के कार्यक्रम युवाओं को जागरूक करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं।" वहीं, श्री गायधनी ने कहा, "स्वच्छता अभियान न केवल वातावरण की सुंदरता बढ़ाने में सहायक होता है बल्कि यह लोगों को अच्छा स्वास्थ्य भी प्रदान करता है। हम सभी को मिलकर इस तरह के सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक रहना होगा और युवा पीढ़ी को इस दिशा में आगे बढ़ाना होगा।"

रैली के माध्यम से सामुदायिक मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने और नुक्कड़ नाटक के जरिए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया गया। इस प्रकार के आयोजन विश्वविद्यालय की सामुदायिक सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाते हैं, जो शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता को भी बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम अधिकारी श्री गब्बर सिंह ने कहा, "इस प्रकार के आयोजन न केवल छात्रों को जागरूक करते हैं, बल्कि उन्हें सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील भी बनाते हैं। हमारा उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है।"

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा महापूर नाटक का मंचन

16th Oct.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के नाट्य विद्यालय के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने रंगश्री लिटिल बैले ट्रुप के परिसर में प्रसिद्ध नाटक 'महापूर' का मंचन किया। इस नाटक ने दर्शकों को एक नई सामाजिक और ऐतिहासिक दृष्टि से परिचित कराया और थिएटर की कला में विद्यार्थियों की महारत को प्रदर्शित किया।

'महापूर' नाटक का निर्देशन अनिरुद्ध खुटवड द्वारा किया गया। नाट्य विद्यालय के छात्रों द्वारा किये गये इस नाटक में रचनात्मकता और बारीकी से तैयार की गई कला का अद्भुत समावेश था। यह नाटक सामाजिक संघर्ष और परिवर्तन के मुद्दों को उजागर करता है, जिसमें एक महान नेता और समाज सुधारक की भूमिका को बखूबी दिखाया गया है।कार्यक्रम के दौरान, छात्रों ने अपने अभिनय, संवाद अदायगी और मंच पर उपस्थित अपने समर्पण से सभी को प्रभावित किया। नाटक में मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था और ध्वनि प्रभाव भी बेहद शानदार थे, जिसने दर्शकों को नाटक की कहानी में पूरी तरह से डूबो दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपकुलाधिपति डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत की सराहना की और कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उन्हें कला के उच्चतम स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर इस सांस्कृतिक आयोजन की सफलता पर खुशी जताई और भविष्य में ऐसे और आयोजन आयोजित करने का संकल्प लिया। 'महापूर' नाटक का मंचन न केवल नाट्य विद्यालय के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी,

बल्कि यह कला के प्रति उनके समर्पण और जुनून को भी प्रदर्शित करता है। कार्यक्रम के दौरान नाट्य विद्यालय के निदेशक मनोज नायर, सहायक प्राध्यापक डॉ. चैतन्य आठले, विक्रांत भट्ट, डॉ. शैलेन्द्र सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पात्र परिचय:

गोविंदा - राजा चौधरी
सुलभा - किरण साहू
आदमी - हैदर अली
पड़ोसी- मार्क फर्नान्डिस
गोविंद के पिता- उदय भान यादव
गोविंद की माता - रश्मि कुकरेती
सुलभा के पिता - ऋषभ कुमार चतुर्वेदी

मंच परे:

सह निर्देशन - दाऊद हुसैन
मंच परिकल्पना - राम सिंह पटेल
वस्त्र परिकल्पना - प्रिया भदौरिया
प्रकाश परिकल्पना - संकेत पारखे
ध्वनि परिकल्पना - दाऊद हुसैन
प्रस्तुति प्रबंधक- अविजित सोलंकी, डॉ. चैतन्य आठले
विशेष सहयोग- मनोज नायर, विक्रांत भट्ट
पोस्टर परिकल्पना - सरस कुमार
ब्रोशर- कमलेश ठाकुर, अमन जैन
परिकल्पना एवं निर्देशन अनिरुद्ध खुटवड

Etihad FC Triumphs at Rabindranath Tagore University's International Futsal Tournament

24th Oct.: Etihad FC emerged victorious in a thrilling final match against United Scholars FC to clinch the inaugural International Tagore Cup Futsal Tournament at Rabindranath Tagore University. The tournament, which saw the participation of 60 African students, concluded on a high note with a display of exceptional football skills.

In the final match, Teliso from United Scholars FC scored one goal, but Etihad FC's Ehsan Hamuda stole the show with a hat-trick, securing a comfortable 3-1 win for his team. Hamuda was awarded the Golden Boot for his outstanding performance, while Ajah from United Scholars FC was named the Player of the Tournament. The Golden Gloves were presented to Aaron from Viking FC for his exceptional goalkeeping.

Earlier, in the semifinals, United Scholars FC defeated Viking FC 1-0, and Etihad FC outplayed Smash FC 2-0. In the third-place playoff, Smash FC secured a narrow 1-0 victory over Viking FC.

The closing ceremony was graced by Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Pro-Chancellor of the university, and Dr. Ritu Kumaran, Head of the International Cell. The winners, runners-up, and third-place teams were awarded trophies, medals, and certificates. Dr. Aditi congratulated the winning team and expressed her delight at the success of the tournament. She assured that the university would continue to organize such events to provide international students with opportunities to showcase their talents.

The tournament was played in a 7-a-side format, with six teams competing in two pools. The matches were keenly contested and drew a large crowd of African students studying in Bhopal, who cheered their respective teams enthusiastically.

The International Tagore Cup Futsal Tournament was a resounding success, fostering a spirit of sportsmanship and cultural exchange among the participating students. It showcased the university's commitment to providing a vibrant and inclusive environment for international students.

सांस्कृतिक पत्रिका 'रंग संवाद' एवं पुस्तक "बृज की रसोई" को इंडियन फेडरेशन ऑफ पब्लिशर्स का राष्ट्रीय पुरस्कार

2nd Oct.:फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स नई दिल्ली ने आईसेक्ट पब्लिकेशन की लोकप्रिय लेखिका डॉ विनीता चौबे की पुस्तक "बृज की रसोई" एवं कला, संस्कृति की चर्चित पत्रिका "रंग संवाद" को उत्कृष्ट प्रकाशन के लिए पुरस्कृत किया। साहित्य अकादमी के निदेशक श्री के. श्रीनिवास राव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में आईसेक्ट पब्लिकेशन के वरिष्ठ प्रबंधक श्री महीप निगम ने यह अवार्ड प्राप्त किये। गौरतलब है कि टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र आरएनटीयू के लिए वरिष्ठ कला समीक्षक विनय उपाध्याय विगत डेढ़ दशक से 'रंग संवाद' का सम्पादन कर रहे हैं। आईसेक्ट पब्लिकेशन समूह की इस लोकप्रिय पत्रिका का प्रसार भारत सहित 35 से भी अधिक देशों में है। प्रधान संपादक संतोष चौबे हिन्दी में सांस्कृतिक पत्रकारिता को रचनात्मक गति देने तथा सुरूचि का परिवेश निर्मित करने में 'रंग संवाद' की भूमिका को अहम मानते हैं। आईसेक्ट पब्लिकेशन के वरिष्ठ प्रबंधक महीप निगम ने बताया कि श्रेष्ठ संपादन और प्रकाशन की श्रेणी में 'रंग संवाद' का लगातार तीसरे वर्ष निर्णायक ज्यूरी द्वारा पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। इस पत्रिका के सहायक संपादक मुदित श्रीवास्तव तथा तकनीकी समन्वयक अमीन उद्दीन शेख हैं। उल्लेखनीय हैं कि लगातार चौथे वर्ष आईसेक्ट पब्लिकेशन को फेडरेशन ने उत्कृष्ट प्रकाशन के लिए सम्मानित किया। अब तक आईसेक्ट पब्लिकेशन को जनरल बुक, चिल्ड्रेन्स बुक, पत्रिका, कैटलॉग, कॉफी टेबल बुक, आदि कैटेगरी में 11 अवार्ड प्राप्त हो चुके हैं। इस अवसर पर आईसेक्ट के चेयरमैन श्री संतोष चौबे ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी लेखकों एवं प्रकाशन से जुड़ी समस्त टीम की सराहना की है।

आरएनटीयू की एथलीट एकता डे हांगकांग में 17वीं एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप 2024 के अंडर 20 वीमेन टीम में गोल्ड मेडल जीत भारत का मान बढ़ाया

20th Oct.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की एथलीट एकता डे ने एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप 2024 हांगकांग में अंडर 20 वीमेन टीम में गोल्ड मेडल जीत भारत देश सहित मध्य प्रदेश और आरएनटीयू का मान बढ़ाया है। जूनियर वीमेन टीम में एकता डे, सुनीता देवी, शिल्पा दिओरा और प्राची अंकुश देवकर ने 6 किलोमीटर की दौड़ में बेहतर प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। इस मेडल का श्रेय उन्होंने परिवार सहित खेल और युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश और आरएनटीयू विश्वविद्यालय को देते हुए बताया कि भारत को एशिया स्तर पर स्वर्ण पदक दिलाने के लिए एकता ने कड़ी मेहनत की।

एकता की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, एसजीएसयू के कुलाधिपति डॉ सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आरएनटीयू की प्रो चांसलर डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलसचिव डॉ विजय सिंह और रायसेन जिले के खेल अधिकारी श्री जलज चतुर्वेदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

Dr. Anil Tiwari's research paper on rural tourism of RNTU was awarded the First Prize in the National Hindi Science Conference.

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY
MADHYA PRADESH, BHOPAL
Rabindranath Tagore University
Village Mendua, Post-Bhojpur, Chiklod Road, Near Bangrasia, Bhopal- 464993 (M.P.)
Ph.: 0755-2700400 | Email: info@rntu.ac.in

Editorial Team:
Mr. Sameer Choudhary
Dr. Shailendra Singh
Mr. Vijay Pratap Singh
Mr. Yogesh Patel
Ms. Shreya Sharma
Mr. Kamlesh Thakur
Mr. Upendra Patne